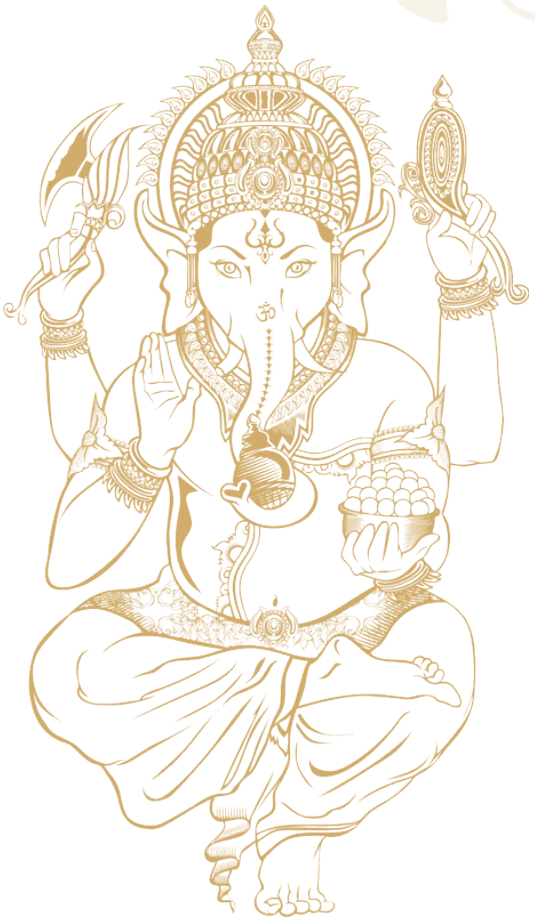

Aman

Akansha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121293501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121293501 Date: 16/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/02/1999	जन्म तिथि	21/03/2000
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 10:00:00	जन्म समय	09:45:00 घंटे
घटी 08:23:48	जन्म समय(घटी)	09:02:20 घटी
India	देश	India
Durg	स्थान	Raipur
21:12:00 उत्तर	अक्षांश	21:16:00 उत्तर
81:20:00 पूर्व	रेखांश	81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:40	स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:38:28	सूर्योदय	06:06:36
17:59:33	सूर्यास्त	18:14:25
23:50:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:21

मेष	लग्न	वृष
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृश्चिक	राशि	कन्या
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
अनुराधा	नक्षत्र	हस्त
शनि	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
4	चरण	3
व्याघात	योग	वृद्धि
वणिज	करण	तैतिल
ने-नैनसुख	जन्म नामाक्षर	ण--
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
विप्र	वर्ण	वैश्य
कीटक	वश्य	मानव
मृग	योनि	महिष
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 1वर्ष 6मा 29दि		00:15:04	मेष	लग्न	वृष	11:10:42	चन्द्र 3वर्ष 1मा 7दि	
शुक्र		27:08:00	मक	सूर्य	मीन	06:59:55	राहु	
09/09/2024		15:33:26	वृश्चि	चंद्र	कन्या	19:11:42	28/04/2010	
09/09/2044		11:37:23	तुला	मंगल	मेष	04:45:33	28/04/2028	
शुक्र	10/01/2028	01:41:28	कुंभ	बुध	कुंभ	10:45:30	राहु	08/01/2013
सूर्य	09/01/2029	05:32:05	मीन	गुरु	मेष	12:55:46	गुरु	04/06/2015
चन्द्र	10/09/2030	21:42:41	कुंभ	शुक्र	कुंभ	15:38:52	शनि	10/04/2018
मंगल	10/11/2031	04:32:35	मेष	शनि	मेष	20:27:16	बुध	27/10/2020
राहु	10/11/2034	28:18:27	कर्क व	राहु व	कर्क	08:07:04	केतु	15/11/2021
गुरु	11/07/2037	28:18:27	मक व	केतु व	मक	08:07:04	शुक्र	15/11/2024
शनि	09/09/2040	19:23:28	मक	हर्ष	मक	25:19:36	सूर्य	09/10/2025
बुध	11/07/2043	08:43:10	मक	नेप	मक	12:05:34	चन्द्र	10/04/2027
केतु	09/09/2044	16:22:01	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:02:12	मंगल	28/04/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:31 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:21

लग्न-चलित

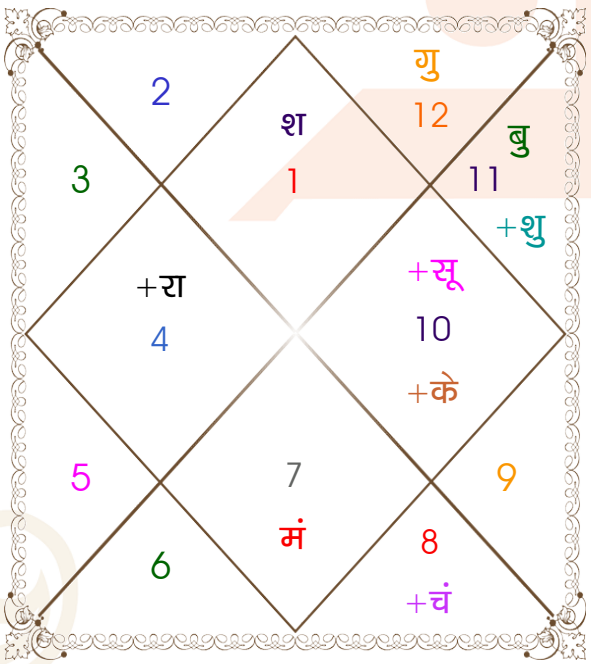

लग्न-चलित

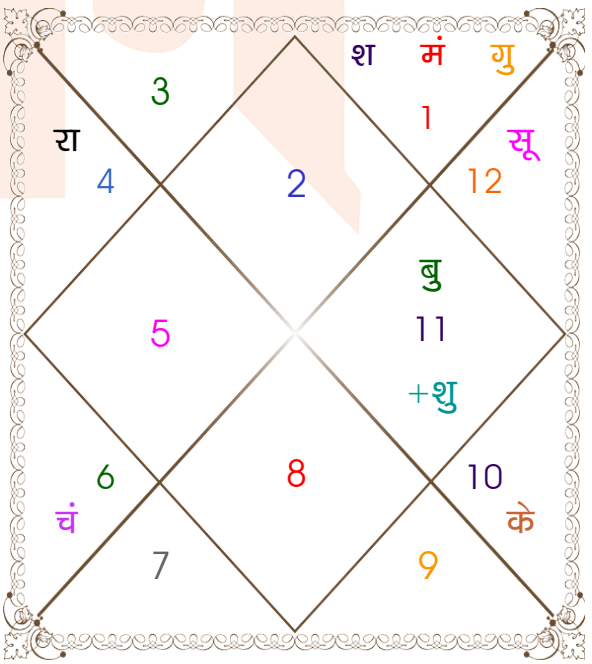

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

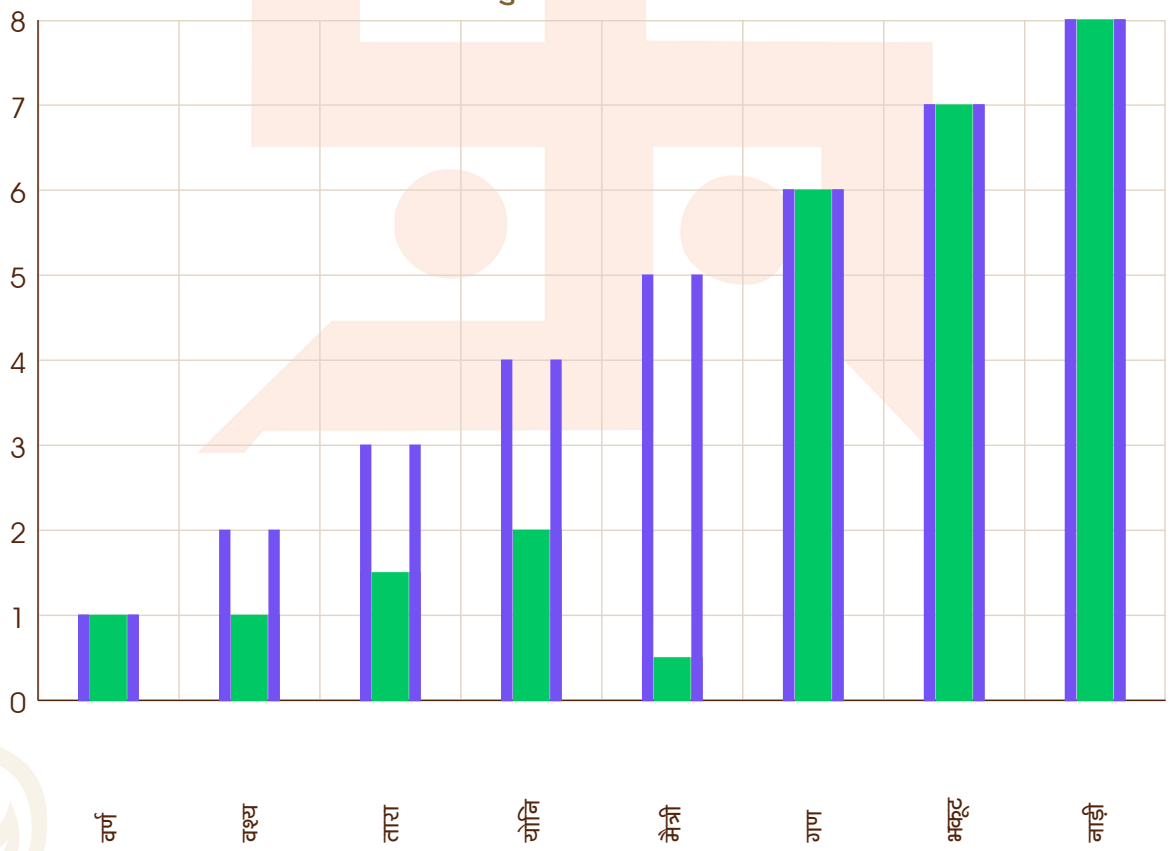

अष्टकूट मिलान

Aman का वर्ग सर्प है तथा Akansha का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Aman और Akansha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Aman मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Akansha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Akansha कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Akansha कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Akansha कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Aman तथा Akansha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Aman का वर्ण ब्राह्मण तथा Akansha का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Akansha सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Akansha मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

Aman का वश्य कीट है एवं Akansha का वश्य द्विपद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीट Aman एवं मनुष्य Akansha के विवाह को स्वीकार्यहै किंतु दोनों के बीच हितों का संघर्ष होता रहेगा एवं सहयोग एवं आपसी समझ की कमी बनी रहेगी। कभी कभी परस्पर शत्रुता की भावना भी विकसित हो सकती है। जो इनके दांपत्य जीवन को बाधित कर सकता है तथा विकास एवं समृद्धि को प्रभावित कर सकता है। Aman एवं Akansha बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे तथा कटुता, संदेह एवं तनाव का माहौल बना रह सकता है।

तारा

Aman की तारा प्रत्यरि तथा Akansha की तारा साधक है। Aman की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Aman कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Akansha को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Aman की योनि मृग है तथा Akansha की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात

मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Aman का राशि स्वामी Akansha के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Akansha का राशि स्वामी Aman के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Aman का गण देव तथा Akansha का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Aman से Akansha की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Akansha से Aman की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Aman परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Akansha हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

Aman की नाड़ी मध्य है तथा Akansha की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान

नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Aman की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Akansha की राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या राशि है। नैसर्गिक रूप से जल एवं पृथ्वी में समानता का भाव विद्यमान रहता है। अतः Aman और Akansha की स्वभावगत विशेषताओं में समानता रहेगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता होगी फलतः वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः यह मिलान शुभ रहेगा।

Aman की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा Akansha की जन्म राशि का स्वामी बुध परस्पर सम एवं शत्रु राशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से यदा कदा दोनों के मध्य मतभेद तथा तनाव का भाव उत्पन्न होगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा परन्तु Akansha की प्रवृति सामंजस्य युक्त रहेगी। अतः अप्रिय स्थिति को दूर करने में Akansha सफल रहेंगी जिससे संबंध सामान्य हो जाएंगे।

Aman एवं Akansha की जन्म राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी। अतः एक दूसरे के प्रति मन में सहयोग एवं सदभाव उत्पन्न होगा तथा सुख दुख में सहयोग करने के लिए तत्पर होंगे। साथ ही मित्रों की भांति कमियों की उपेक्षा करके एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे। इससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता का भाव उत्पन्न होगा तथा वैवाहिक जीवन में सुख शांति तथा समृद्धि बनी रहेगी।

Aman का वश्य कीट एवं Akansha का वश्य मानव है। मानव एवं कीट में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में भिन्नता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग रहेंगी। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में असमर्थ होंगे।

Aman का वर्ण ब्राह्मण तथा Akansha का वर्ण वैश्य है। अतः Aman की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो में प्रवृत होगी लेकिन Akansha धनार्जन संबंधी कार्यो में तत्पर रहेंगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगी।

धन

Aman और Akansha दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। इनकी राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ता एवं सम्पन्नता में वृद्धि के लिए यह भकूट शुभ माना जाता है। लेकिन यदा कदा Akansha की आर्थिक स्थिति मंगल का दुष्प्रभाव भी परिलक्षित होगा जिससे वे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति करेंगी परन्तु स्वपरिश्रम एवं योग्यता से वे इसमें अनुकूलता लाने में समर्थ होंगी।

Aman आर्थिक स्थिति सुदृढ़ता प्रदान करने के लिए सौभाग्यशाली रहेंगे तथा जीवन

में धनऐश्वर्य एवं वैभव की उनके पास कमी नहीं रहेगी। साथ ही Akansha की व्ययशील प्रवृति का भी उनकी आर्थिक समानता पर भी कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा आनंद पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Aman की नाड़ी मध्य तथा Akansha की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके ऊपर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मूत्र रोग संबंधी परेशानी भी रहेगी। साथ ही Aman भी हृदय संबधी रोग से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा काम क्रियाओं में भी शिथिलता की अनुभूति करेंगे फलतः दाम्पत्य जीवन में सुख की अल्पता आएगी। Akansha भी यदा कदा काम संबंधों में उदासीनता का परिचय देंगी। अतः उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता करने के लिए Aman और Akansha को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के व्रत रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Aman और Akansha का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Aman और Akansha के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Akansha के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Akansha को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Akansha को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Aman और Akansha सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Aman और Akansha का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Akansha के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही Akansha सास को अपने माता के समान

सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि Akansha किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी Akansha को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण Akansha के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

Aman के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Aman अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Aman के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Aman के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।